राष्ट्रीय मिलिटरी स्कूल

बेंगलुरू

अभ्यास प्रश्न पत्र (सेट 4)

कक्षा–10 परीक्षा

2023–24 हिन्दी–ब

(कोड–085)

निर्धारित समय– 3 घंटे पूर्णांक – 80

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।
2. ख ंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. ख ंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंड़ों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड–अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढक़र इसके आधार **पर सवाधिक उपयक्तु उत्तर** वाले विकल्प **चनुकर लिखिए– (1x5=5)**

भारत के प्राचीन विचारकों ने अच्छा नागरिक बनने के लिए कुछ नियमों का प्रावधान किया है। इन नियमों में वाणी और व्यवहार की शुद्धि, कर्तव्य और अधिकार का समुचित निर्वाह, शुद्धतम पारस्परिक सद्भाव और सेवा की भावना आदि नियम बहुत महत्वपूर्ण माने गए हैं। ये सभी नियम यदि एक व्यक्ति के चारित्रिक गुणों के रूप में भी अनिवार्य माने जाएँ तो उसका अपना जीवन सुखी और आनंदमय हो सकता है। सभी गुणों का विकास एक बालक में यदि उसकी बाल्यावस्था से ही किया जाए तो वह अपने देश का श्रेष्ठ नागरिक बन सकता है। इन गुणों के कारण वह अपने परिवार, आस–पड़ोस, विद्यालय में अपने सहपाठियों एवं अध्यापकों के प्रति यथोचित व्यवहार कर सकेगा। वाणी एवं व्यवहार की मधुरता सभी के लिए सुखदायक होती है, समाज में हार्दिक सद्भाव की वृद्धि करती है, किंतु अहंकारहीन व्यक्ति ही स्निग्ध वाणी और शिष्ट व्यवहार का प्रयोग कर सकता है। अहंकारी और दंभी व्यक्ति सदा अशिष्ट वाणी और व्यवहार का अभ्यासी होता है जिसका परिणाम यह होता है कि ऐसे आदमी के व्यवहार से समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण नहीं बनता। जिस प्रकार एक व्यक्ति समाज में रहकर अपने व्यवहार से कर्तव्य और अधिकार के प्रति सजग रहता है, उसी तरह देश के प्रति भी उसका व्यवहार कर्तव्य और अधिकार की भावना से भावित रहना चाहिए। उसका कर्तव्य हो जाता है कि न तो वह स्वयं कोई ऐसा काम करें और न ही दूसरों को करने दें, जिसमें देश के सम्मान, संपत्ति और स्वाभिमान को ठेस लगे। समाज एवं देश में शांति बनाए रखने के लिए धामिर्क सहिष्णतुा भी बहतु आवश्यक है। यह वृत्ति तभी आ सकती है जब व्यक्ति सतंुलित व्यक्तित्व का हों। वह आतंरिक व बाहरी संघर्ष से परे की अनभुूति से परिपूर्ण व्यक्तित्व हानो चाहिए।

(1) गद्यांश के संदर्भ में अच्छा नागरिक बनने के लिए नियमों का प्रावधान आवश्यक है, क्योंकि यह–

(क) स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है जिससे वातावरण को शांति से परिपूर्ण करता है

(ख) व्यक्तित्व को निखारकर जीवन को आमोद–प्रमोद से परिपूर्ण करता है

(ग) व्यक्तित्व को निखारकर जीवन को सुख और मंगलकामना से परिपूर्ण करता है

(घ) व्यक्ति को अहंकार, स्निग्ध वाणी और शिष्ट व्यवहार से परिपूर्ण करता है

(2) वाणी एवं व्यवहार की मधुरता सभी के लिए सुखदायक होती है।
इस कथन के लिए उपयुक्त तर्क है–

(क) देश के सम्मान, संपत्ति और स्वाभिमान को ठेस पहुँचती है

(ख) दशे व समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण नही ंबनता

(ग) कर्त्तव्य और अधिकार का समुचित निर्वाह बहुत आवश्यक है

(घ) समाज में हार्दिक सद्भाव की वृद्धि और सुख की प्रतिष्ठा होती है।

(3) अहंकारी और दंभी व्यक्ति सदा अभ्यासी होता है–

(क) अशिष्ट वाणी और व्यवहार का

(ख) मधुर एवं अशिष्ट व्यवहार का

(ग) अशिष्ट वाणी एवं व्यवहार की शुद्धि का

(घ) स्निग्ध वाणी और अशिष्ट व्यवहार का

(4) संतुलित व्यक्तित्व से तात्पर्य है–

(क) आंतरिक व बाहरी संघर्ष से संपूर्ण सामाजिकता की अनुभूति से परिपूर्ण व्यक्तित्व

(ख) देश में पूर्णतः आदर्श नागरिक का व्यवहार करने वाला सुखदायक व्यक्तित्व

(ग) आंतरिक व बाहरी संघर्ष से रहित संपूर्ण सामाजिकता की अनुभूति से परिपूर्ण व्यक्तित्व

(घ) कर्त्तव्य और अधिकार के प्रति सजग रहने वाला भावुक प्रवृत्ति से परिपूर्ण व्यक्तित्व

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) देश में धार्मिक सहिष्णुता की आवश्यकता है।

कारण (R) समाज एवं देश में शांति बनी रहेगी।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1x5=5)

ईर्ष्या में प्रयत्नोत्पादिनी शक्ति बहुत कम होती है। उसमें वह वेग नहीं होता जो क्रोध आदि में होता है क्योंकि आलस्य और नैराश्य के आश्रय से तो उसकी उत्पत्ति ही होती है। जब आलस्य और नैराश्य के कारण अपनी उन्नति के हेतु प्रयत्न करना तो दूर रहा, हम अपनी उन्नति का ध्यान तक अपने मन में नहीं ला सकते, तभी हम हारकर दूसरे की स्थिति की ओर बार–बार देखते हैं और सोचते हैं कि यदि उसकी स्थिति ऐसी न होती तो हमारी स्थिति जैसी है वैसी रहने पर भी बुरी न दिखाई देती। अपनी स्थिति को ज्यों–की–त्यों रख सापेक्षिकता द्वारा सन्तोष–लाभ करने का ढीला यत्न आलस्य और नैराश्य नहीं तो और क्या है? जो वस्तु उज्जवल नहीं है उसे मैली वस्तु के पास रखकर हम उसकी उज्जवलता से कब तक और कहाँ तक संतोष कर सकते हैं? जो अपनी उन्नति के प्रयत्न में बराबर लगा रहता है उसे न तो नैराश्य होता है और न हर घड़ी दूसरे की स्थिति से अपनी स्थिति के मिलान करते रहने की फुरसत। ईर्ष्या की सबसे अच्छी दवा है उद्योग और आशा। जिस वस्तु के लिए उद्योग और आशा निष्फल हो, उस पर से अपना ध्यान हटाकर दृष्टि की अनन्तता से लाभ उठाना चाहिए। जिससे ईर्ष्या की जाती है उस पर उस ईर्ष्या का प्रभाव क्या पड़ता है यह भी देख लेना चाहिए। ईर्ष्या अप्रेष्य मनोविकार है। यह पहले ही कहा जा चुका है कि किसी मनुष्य को अपने से ईर्ष्या करते देख हम भी बदले में उससे ईर्ष्या नहीं करने लगते। दूसरे को ईर्ष्या करते देख हम उससे घृणा करते हैं। दूसरे की ईर्ष्या का फल भोग कर हम उस पर क्रोध करते हैं, जिसमें अधिक अनिष्टकारिणी शक्ति होती है। अतः ईर्ष्या ऐसी बुराई है, जिसका बदला यदि मिलता है तो कुछ अधिक ही मिलता है। इससे इस बात का आभास मिलता है कि प्रकृति के कानून में ईर्ष्या एक पाप या जुर्म है। अपराधी को भी केवल उतना ही कष्ट पहुँचाना सामाजिक न्याय नहीं है, अधिक कष्ट पहुँचाना न्याय है, क्योंकि निरपराध व्यक्ति की स्थिति को अपराधी की स्थिति से अच्छा दिखलाना न्याय का काम है।

(1) जो अपनी उन्नति के प्रयास में लगा रहता है, उसे

(क) इतनी फुरसत नहीं रहती कि हर दम वह दूसरे की स्थिति से अपनी स्थिति की तुलना करता रहे।

(ख) निराश होने का समय नहीं मिलता।

(ग) क्रोध करने से बचे रहने का अवसर मिलता है।

(घ) किसी से ईर्ष्या करने की जरूरत नहीं होती।

(2) किसी को अपने से ईर्ष्या करते देख बदले में हम

(क) उससे ईर्ष्या करने लगते हैं। (ख) उस पर क्रोध नहीं करते हैं।
(ग) उससे बदला लेने की भावना को जन्म देने लगते हैं। (घ) उससे घृणा करने लगते हैं।

(3) ईर्ष्या का सबसे अच्छा उपचार है कि
(क) ईर्ष्यालु व्यक्ति से ईर्ष्या की जाए। (ख) ईर्ष्यालु को दण्डित किया जाए।
(ग) आशापूर्ण ढंग से अपना उद्योग किया जाए। (घ) ईर्ष्यालु को उसके हाल पर छोड़ दिया जाए।

(4) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
(i) जो वेग क्रोध में होता है वह ईर्ष्या में नहीं होता।
(ii) दूसरे को ईर्ष्या करते देख हम उससे प्रेम करते हैं।
(iii) क्रोध और ईर्ष्या में बराबर वेग होता है। उपर्युक्त
कथनों में से कौनसा/कौनसे कथन सही हैं?
(क) केवल (i) (ख) केवल (ii)
(ग) (i) और (iii) (घ) (ii) और (iii)

(5) निम्नलिखित कथन (अ) तथा कारण (र) को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–
कथन (A) ईर्ष्या में प्रयत्नोत्पादिनी शक्ति बहुत कम होती ळें
कारण (R) ईर्ष्या की उत्पत्ति आलस्य और नैराश्य से होती है।
(क) कथन (अ) तथा कारण (र) दोनो गलत हैं
(ख) कथन (अ) गलत हैं लेकिन कारण (र) सही है
(ग) कथन (अ) सही है लेकिन कारण (र) उसकी गलत व्याख्या करता है
(घ) कथन (अ) तथा कारण (र) दोनो सही है तथा कारण (र) कथन (अ) की सही व्याख्या करता है

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (1x4=4)

(1) 'तताँरा को मानो कुछ होश आया।' वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

(2) 'आप तो बहुत बड़े धार्मिक आदमी हैं।' इस वाक्य में विशेषण पदबंध है–
(क) आप तो (ख) बहुत बड़े धार्मिक
(ग) आदमी हैं (घ) पूरा वाक्य

(3) क्रिया पदबंध का उदाहरण छाँटिए–
(क) यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। (ख) बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया।
(ग) शैलेंद्र तो फिल्म–निर्माता बनने के लिए सर्वथा अयोग्य थे। (घ) दोनों कबूतर रातभर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।

(4) 'निर्भीक और साहसी वज़ीर अली अपने अधिकार के लिए लड़ रहा था।' वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

(5) 'वह इधर–उधर देखता हुआ चल रहा था।' वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) क्रिया पदबंध (ख) क्रिया विशेषण पदबंध
(ग) समुच्चयबोधक पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना' के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (1x4=4)

(1) 'जब उसने तताँरा को देखा तो वह फूटकर रोने लगी।' इस वाक्य का सरल वाक्य में रूपांतरण होगा–
(क) जैसे ही वामीरो ने तताँरा को देखा और वह फूटकर रोने लगी।
(ख) तताँरा को देखते ही वह फूटकर रोने लगी।

(ग) ततॉरा को देखकर वामीरो फूटकर रोने लगी।
(घ) वामीरो ने ततॉरा को देखा और फूटकर रोने लगी।

(2) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

	कॉलम 1		**कॉलम 2**
(1)	जब अविनाश बाबू ने झंडा गाड़ा तब पुलिस ने उनको पकड़ लिया।	(i)	सरल वाक्य
(2)	वह स्वभाव से बड़े अध्ययनशील थे।	(ii)	संयुक्त वाक्य
(3)	अभिमान किया और दीन–दुनिया दोनों से गया।	(iii)	मिश्र वाक्य

विकल्प
(क) 1-iii, 2-i, 3-ii (ख) 1- ii, 2-iii, 3-i
(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii (घ) 1- iii, 2-ii, 3-i

(3) 'स्वावलंबी व्यक्ति सदा सुखी रहते हैं।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरण होगा–
(क) जो व्यक्ति स्वावलंबी होते हैं वे सदा खुख रहते हैं। (ख) व्यक्ति स्वावलंबी होते हैं और खुश रहते हैं।
(ग) व्यक्ति स्वावलंबी होते हैं इसलिए खुश रहते हैं। (घ) स्वावलंबी व्यक्ति हमेशा खुश रहते हैं।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है–
(क) दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था।
(ख) भाई साहब ने उछलकर पतंग की डोर पकड़ ली और बेतहाशा होस्टल की तरफ दौड़े।
(ग) भोजन आज मुझे निस्वाद लग रहा था।
(घ) भाई साहब सालाना इम्तहान में फेल हो गए।

(5) 'मैंने बहुत चेष्टा की कि इस पहेली काकोई अर्थ निकलू लेकिन असफल रहा।' इस वाक्य का भदे है -
(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य (घ) प्रधान वाक्य

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (1x4=4)

(1) 'पाठशाला' समस्तपद में कौन–सा समास है?
(क) तत्पुरुष (ख) कर्मधारय
(ग) द्विगु (घ) अव्ययीभाव

(2) 'ध्यानमग्न' का समास–विग्रह होगा–
(क) ध्यान से मग्न (ख) ध्यान पर मग्न
(ग) ध्यान में मग्न (घ) ध्यान को मग्न

(3) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

	समस्त पद		**स्मास**
(i)	सुमृत्यु	(i)	कर्मधारय समास
(ii)	दीनबंधु	(ii)	द्विगु समास
(iii)	प्रतिदिन	(iii)	अव्ययीभाव समास
(iv)	स्नेहहीन	(iv)	बहुव्रीहि समास

उपर्युक्त युग्मों में से कौन–से सही सुमेलित हैं–
(क) (i) और (iii) (ख) (i) और (ii)
(ग) (ii) और (iii) (घ) (iii) और (iv)

(4) 'सुबह–शाम' के लिए समास–विग्रह और समास का चयन कीजिए–

(क) सुबह से शाम – तत्पुरुष समास (ख) सुबह से शाम तक – अव्ययीभाव समास

(ग) सुबह और शाम – द्वंद्व समास (घ) सुबह या शाम – द्विगु समास

(5) 'त्रिदेव' का समास–विग्रह एवं भेद होगा–

(क) तीन देवों का समूह – द्विगु समास (ख) तीन दानवों का समूह – द्वंद्व समास

(ग) तीन देवियों का समूह – द्विगु समास (घ) तीनों देवों का घर – अव्ययीभाव समास

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (1x4=4)

(1) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए–

(क) खेत रहना – खेती करना (ख) गुस्सा पीना – क्रोध को रोकना

(ग) घुटने टेकना – बैठ जाना (घ) चिकना घड़ा होना – चिकनी मिट्टी का घड़ा

(2) 'चुगली करना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–

(क) प्राण सूखना (ख) आँखें खुलना

(ग) इधर–उधर की लगाना (घ) सुध–बुध खोना

(3) आज तो मैंने तुम्हारी .... अगर कल भी तुमने काम से जी चुराया तो खैर नहीं। रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उचित महुावरा चुनिए

(क) हवा निकालना (ख) ईंट बजाना

(ग) जान बख्श देना (घ) बाल की खाल निकालना

(4) पति की मृत्यु के पश्चात् तो उसका पुत्र ही उसके लिए .... है। रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित विकल्प चुनिए

(क) आँख का तारा (ख) अंधे की लकड़ी

(ग) घर की खेती (घ) आँख का काँटा

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित रहेगा– वैसे तो इतनी बातें करते हो परंतु वास्तव में तुम <u>पुरानी पंरपराओं का ही अनुसरण करते</u> हो।

(क) छक्के छुड़ाना (ख) कोल्हू का बैल

(ग) लकीर का फकीर (घ) गली का भिखारी

(6) 'उदास होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–

(क) बाट जोहना (ख) मुँह की खाना

(ग) पहाड़ होना (घ) चेहरा उतरना

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– (1x5=5)

कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप इसकी
होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बार।
सुबह–शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत–से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी जबर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे–अच्छे सूरमाओं के धज्जे
अपने जमाने में।

(1) तोप को कहाँ रखा गया है?

(क) नगर के चौराहे पर (ख) कंपनी बाग के मुहाने पर

(ग) छावनी के मुख्य द्वार पर (घ) नेशनल पार्क में

(2) कंपनी बाग के मुहाने पर रखी तोप किस समय की है?

(क) सन् 1800 की (ख) सन् 1820 की
(ग) सन् 1857 की (घ) सन् 1890 की

(3) तोप को साल में कितनी बार चमकाया जाता है?
(क) चार बार (ख) दो बार
(ग) तीन बार (घ) एक बार

(4) तोप अपने जमाने में कैसी थी?
(क) बहुत कमजोर (ख) बहुत कीमती
(ग) बहुत शक्तिशाली (घ) बहुत सुंदर

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–
(i) तोप कंपनी बाग के मुख्य द्वार पर रखी थी
(ii) यह तोप सन् 1947 में प्रयोग की गई थी
(iii) इसे साल में दो बार खूब चमकाया जाता था
(iv) कंपनी बाग में सुबह–शाम पशु चरने आते थे (अ) तोप के अनुसार वह बहुत जबरदस्त थी पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए–
(क) (i), (ii) और (iv) (ख) (ii), (iv) और (v)
(ग) (i), (iii) और (अ) (घ) (iii), (iv) और (अ)

8- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– (1x2=2)

(1) 'आत्मत्राण' का क्या अर्थ है?
(क) आपत्ति (ख) अपना रक्षण स्वयं करना
(ग) आत्मा का उत्थान (घ) आत्मा का पतन

(2) 'जिंदगी मौत से मिल रही है गले' पंक्ति का क्या भाव है?
(क) आत्मबलिदान देना (ख) मित्रों से गले मिलना
(ग) शत्रुओं को पराजित करना (घ) अपनी हार स्वीकार करना

9- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– (1x5=5)

मगर टाइम–टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके–हलके झोंके, फुटबॉल की वह उछल–कूद, कबड्डी के वह दाँव–घात, वॉलीवाल की वह तेजी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम–टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फजीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नजर मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार–सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल–कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

(1) टाइम–टेबिल बनाने के पहले ही दिन से क्या शुरू हो जाता था?
(क) टाइम–टेबिल पर अमल का काम (ख) टाइम–टेबिल की अवहेलना का काम
(ग) मौज–मस्ती करने का काम (घ) मित्रों के साथ खेलने–कूदने का काम

(2) लेखक कहाँ जाते ही सब कुछ भूल जाता था?
(क) घर पर (ख) विद्यालय में
(ग) खेल के मैदान में (घ) छात्रावास में

(3) निम्नलिखित कथन (।) तथा कारण (r) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A) टाइम–टेबिल बना लेना एक बात है लेकिन उस पर अमल करना दूसरी बात है।
कारण (R) बच्चे खेल के आगे सब कुछ भूल जाते हैं।
(क) कथन **(A)** तथा कारण **(R)** दोनों गलत हैं

(ख) कथन **(A)** गलत है लेकिन कारण **(R)** सही है

(ग) कथन **(A)** सही है लेकिन कारण **(R)** कथन **(A)** की गलत व्याख्या करता है

(घ) कथन **(A)** तथा कारण **(R)** (t) दोनों सही हैं तथा कारण **(R)** कथन **(A)** की सही व्याख्या करता है

(4) लेखक बड़े भाई के डर से क्या कार्य करता था?

(क) उनके साये से दूर भागता था (ख) उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता था (ग) कमरे में दबे पाँव आता था (घ) उपर्युक्त सभी

(5) लेखक द्वारा टाइम–टेबिल की अवहेलना करने के कारणों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए–

(i) लेखक को घर पर रहना पसन्द था।

(ii) लेखक को खेलकूद पसन्द था।

(iii) लेखक को पढ़ना पसन्द नहीं था।

(iv) लेखक को घर पर रहना पसन्द था।

(क) केवल (i) (ख) (i) और (iv)

(ग) (iii) और (iv) (घ) केवल (ii)

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– (1x2=2)

(1) निम्नलिखित वाक्यों में से कौन–से वाक्य तताँरा के चरित्र को प्रदर्शित करते हैं?

(i) तताँरा एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था।

(ii) तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था।

(iii) वह अपने गाँव की ही नहीं, बल्कि समूचे द्वीपवासियों की मदद करता था।

(iv) वह अद्‌भुत दैवीय शक्ति का स्वामी था।

विकल्प

(क) केवल (i) (ख) (i) और (iv)

(ग) (ii) और (iv) (घ) (i), (ii) और (iii)

(2) 'डायरी का पन्ना' में जुलूस और ध्वजारोहण को रोकने के लिए पुलिस ने क्या किया?

(क) हुडदंग मचाया (ख) गोरखे और सारजेंट तैनात कर दिए

(ग) गवर्नर जनरल कोलकाता पहुँचे (घ) इनमें से कोई नहीं

खंड–ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– (3x2=6)

(1) 'कारतूस' एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि सहादत अली जैसे लोगों ने सदैव देश का अहित ही किया है।

(2) आदर्श और व्यावहारिकता में क्या अतंर है? शद्धु आदर्श और व्यावहारिकता की तलुना लेखक ने सोने और तांबे से क्यों की है?

(3) "व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।" 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ के आधार पर कथन का मूल्यांकन करते हुए अपने विचार लिखिए।

12- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– (3x2=6)

(1) 'साँस थमती गई, नब्ज जमती गई फिर
भी बढ़ते कदम, को न रुकने दिया।'
उपर्युक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

(2) संत कबीर ने मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता प्रदान होने की बात कही है। स्पष्ट करें।

(3) मीरा के पदों की विशेषताएँ बताइए।

13- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– (3x2=6)

(1) 'हरिहर काका' कहानी अंध भक्ति और ठाकुरबारी के चरित्र को उजागर करती है सोदाहरण स्पष्ट करें।

(2) 'सपनों के से दिन' कहानी के आधार पर लिखिए कि स्काउट परेड करते समय लेखक स्वयं को फौजी जवान क्यों समझता था?

(3) 'टोपी शुक्ला' पाठ में ठाकुर हरिनाम सिंह कौन था? उसके लड़कों ने टोपी से दोस्ती क्यों नहीं की? यह उनकी किस भावना का व्यंजक है?

14- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर सकंते–बिन्दुओ के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– **(5x1=5)**

(1) **नारी और नौकरी**

- दोगुना कार्य
- घर और बाहर में संतुलन
- व्यक्तित्व निर्माण में सहायक कार्य

(2) **ग्लोबल वार्मिंग**

- धरती पर बढ़त तापमान
- ्बढलता मौसम
- समस्या के कारण
- समाधान

(3) **परीक्षा से पहले मेरी मनोदशा**

- परीक्षा नाम से भय
- पर्याप्त तैयारी
- प्रश्नपत्र देखकर भय दूर हुआ

15- (1) आपके क्षेत्र में डेंगू के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। इससे बचाव के लिए नगर–निगम के अध्यक्ष के नाम एक पत्र लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **(5x1=5)**

अथवा

(2) नगर में कल–कारखानों से प्रदूषण में हो रही वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

16- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए– **(4x1=4)**

(1) आपके विद्यालय में निशुल्क 'दांत चिकित्सा शिविर 'का आयोजन किया जा रहा है | सूचना पट्ट पर विद्यालय के सचिव की ओर से लगभग 60 शब्दों में सूचना जारी करें |

अथवा

(2) विद्यालय के बाहर खड़े खोमचे वालों से कोई छात्र कुछ न खरीदे | यह हिदायत देने के लिए प्रधानाचार्य की ओर से लगभग 60 शब्दों में सूचना जारी करें |

17- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए– **(3x1=3)**

(1) आपके नगर में आयोजित होने वाली भारत की सांस्कृतिक एकता प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों को आमंत्रित करते हुए लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

(2) देश की जनता को 'मतदान अधिकार' के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

18- (1) 'राष्ट्र का सेवक' विषय पर लघु कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **(5x1=5)**

अथवा

(2) आपने यात्रा के दौरान एक उपरगामी पुल को जर्जर हालत में देखा है। वह पुल कभी भी किसी दुर्घटना का कारण बन सकता है। आपने वहाँ रुककर अपने मोबाइल से उसका चित्र भी लिया है। उस चित्र सहित अधिशासी अभियंता (लोक निर्माण विभाग) को पुल की मरम्मत के संदर्भ में लगभग 100 शब्दों में एक ई–मेल लिखिए